M. A. (Final) Examination, 2001

HINDI

Paper VI

कथा साहित्य

Time: 3 Hours] [Maximum Marks: 100

प्रथम प्रश्न करना अनिवार्य है।
शेष में से **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1 निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही **तीन** की व्याख्या कीजिए। **14+13+13**

क- जीनव के संघर्ष में उसे सदैव हार हुई; पर उसने कभी हिम्मत नहीं हारी। प्रत्येक हार जैसे उसे भाग्य से लड़ने की शक्ति दें देती थी; मगर अब वह उस अंतिम दशा में पहूंच गया था; जब उसमें आत्म विश्वास भी न रहा था। अगर वह अपने धर्म पर अटल रह सकता, तो भी कुछ आँसू पुंछते, मगर वह बात न थी। उसने नीयत भी बिगाडी, अधर्म भी कमाया, कोई ऐसी बुराई न थी, जिसमें वह न पडा हो; पर जीवन की कोई अभिलाषा न पुरी हुई और भले दिन मृगतृष्णा की भांति दूर ही होते चले गये, यहाँ तक की अब उसे धोखा भी न रह गया था, झूठी आशा की हरियाली और चमक भी अब नजर न आती थी।

ख- जिन्दगी है, चलती जाती है। कौन किसके लिए थमाता है? मरते हुए मर जाते है, लेकिन जिनकों जीना है, वे तो मुर्दो को लेकर वक्त से पहले मर नहीं सकते। गिरने के साथ कोई गिरता है? यह तो चक्कर है। गिरता; उसे उठाने की सोचने में तुम लगे कि पिछडे। इससें चले चलो, चले चलो।

ग- अब वह मानने को तैयार है कि आदमी का दिल होता है, शरीर को चीर-फाडकर जिसे हम नहीं पा सकते। वह 'हार्ट' नहीं, वह अगम-अगोचर जैसी चीज है, जिसमें दर्द होता है, लेकिन जिसकी दवा 'ऐड्रिलिन' नहीं। उस दर्द को मिटा दो, आदमी जानवर हो जाएगा। दिल वह मंदिर है जिसमें आदमी का देवता वास करता है।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

घ- यह बीमारी पढे-लिखे लोागों में आमतौर पर उन्हीं को सताती है जो अपने को बुद्धिजीवी कहते है औार जो वास्तव में बुद्धि के सहारे नहीं बल्कि आहार-निद्रा-भय'मैथुन के सहारे जीवित रहते है (क्योंकि अकेले बुद्धि के सहारे जीना नामुमकिन बात है।) इस बीमारी में मरीज मानसिक तनाव और निराशावाद के हल्ले में लम्बे-लम्बे वक्तव्य देता है, जोर जोर से बहस करता है, बुद्धिजीवी होने के कारण अपने को बीमार और बीमार होने के कारण अपने को बुद्धिजीवी साबित करता है और अंत में इस बीमारी का अंत काफी-हाउस की बहसों में, शराब की बोतलों में, आवारा औरतों की बाँहों में, सरकारी नौकरी में और कभी कभी आत्महत्या में होता है।

ड.- इन सवालों में इतनी आत्मीयता झलकती थी कि लगता था, लाहौर एक शहर नहीं, हजारों का सगा-संबंधी है, जिसके हालात जानने के लिए वे उत्सुक है। लाहौर से आए हुए लोग उन दिन शहर भर के मेहमान थे, जिनसे मिलकर और बातें करके लोगों कां खामाखाह खुशी का अनुभव होता था।

अथवा

उस व्यक्ति को चुटकियों में मसलकर खत्मकर देने की सामर्थ्य सेठ अपने रखता था, लेकिन आज उस आदमी के सामने सेठ को अपनी अट्टालिका और अपना व्यक्तित्व बहुत बौना मालूम पडने लगा है। सेठ किसी अज्ञात भय से काँपने -सा लगता है। सेठ की यह हालत देख उस व्यक्ति के होठों पर मुस्कान की एक हल्की रेखा उभर आती है।

2. ''गोदान बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध के भारतीय किसान की महागाथा है।'' इस कथन के संदर्भ में गोदान; के महत्व का विवेचन कीजिए। **15**

3. '' 'त्यागपत्र' पुरूष प्रधान सामाजिक नैतिकता के अंतर्गत नारी के त्रास का साहित्यिक दस्तावेज है।'' इस वत्वव्य के प्रकाश में 'त्यागपत्र' पर विचार कीजिए। **15**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

4. '' 'मैला आँचल' एक अंचल की सांस्कृतिक और एक देश की राजनीतिक कथा कहता है।'' 'मैला आंचल' पर विचार करते हुए इस मंतव्य को प्रमाणित कीजिए। 15

5. '' 'राग-दरबारी' जहाँ अपनी विशिष्ट शैली के लिए प्रशंसनीय है, वहीं अपनी निराशावादी दृष्टि के लिए आलोचनीय भी है।'' - 'राग दरबारी' का मूल्यांकन करते हुए इस कथन पर अपनी टिप्पणी दीजिए। 15

6. 'हिन्दी-कहानी-संग्रह' की कहांनियां क्या हिन्दी कहानी के बहुआयामी बहुंरगी विकास की झलक देती है? युक्तियुक्त विवेचन कीजिए। 15

7. 'वापसी' अथवा 'त्रिशंकु' कहानी का आलोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए। 15

8. आपनी पठित कथा-कृतियों से वृहत् उपन्यास, लघु उपन्यास और लम्बी कहानी का चयन करते हुए उन पर सेक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए। 15

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com